Need to take adequate safety measures for protection of black bucks in Chand Khamaria Wildlife Conservation Reserve in Uttar Pradesh.-laid

श्री उज्ज्वल रमण सिंह **(**इलाहाबाद**) :** मैं सरकार का ध्यान में मेजा के चाँद खमरिया संरक्षण पार्क की दयनीय स्थिति की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ । हिंदू धर्म में काले हिरण को पवित्रता का प्रतीक माना जाता है । चाँद खमरिया का मृग संरक्षण केंद्र 200 बीघा इलाके में फैला है । इस संरक्षण केंद्र में करीब 700 काले हिरण रहते हैं । राजस्थान के विश्नोई समाज की तरह चाँद खमरिया में रहने वाला आदिवासी समाज भी काले हिरण से विशेष लगाव रखता है । भीषण गर्मी में जब मेजा की पहाड़ियों पर बूंद बूंद पानी का संकट होता है तो आदिवासी समाज के लोग पहाड़ियों के आसपास काले हिरणों के लिए पीने के पानी का इंतजाम करते हैं । लेकिन असली संकट तब आता है जब यह मासूम जीव शिकारियों के निशाने पर आ जाते हैं जिसके लिए वन विभाग ने सुरक्षा के पूरे इंतजाम नहीं किए हैं । गर्मी आते ही यह हिरण भूख प्यास से भटककर यहाँ वहाँ पहुँच जाते हैं और कई बार शिकारियों के हाथ लग जाते हैं । वन महकमा हिरणों की सुरक्षा को लेकर कितना गंभीर है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संविदा कर्मचारियों को कई महीने से वेतन तक नहीं मिला है । इस संरक्षित वन क्षेत्र में काले हिरण के शिकार के कारण वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के कई मामले दर्ज हुए हैं लेकिन आज तक सरकार किसी की गिरफ्तारी नहीं कर पाई । कुछ समय पूर्व वन विभाग ने काले हिरण को बरामद कर दोषियों के खिलाफ़ मामला दर्ज किया था लेकिन उस मामले में भी आज तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई ।

मैं सरकार से पुरज़ोर अपील करता करता हूँ कि तत्काल चाँद खमरिया संरक्षण पार्क में काले हिरणों की सुरक्षा हेतु पुख्ता व्यवस्था करें ।